Title: Requested the Government to order the State Government of Rajasthan for not acquiring agricultural lands for development of heavy industries.

श्री ज्स्वंत स्िंह ब्िश्नोई (जोधपुर) : स्भापति महोद्य, मैं आपके माध्यम स्े केन्द्र स्रकार के भारी उद्योग मंत्री महोद्य का ध्यान राज्स्थान की ओर आकर्ति करते हुए कहना चाहता हूं कि राज्स्थान स्रकार ने 1984 में 240 बीघे जमीन क्िसानों स्े स्मझौता कर के अधिगृहीत करके मैस्र्स राजश्री स्ीमेंट कंपनी को दी। वह फैक्ट्री 1995-96 स्े चल रही है। अब स्रकार 242 बीघा जमीन क्िसानों की और एक्वा्यर कर के उ्सी कंपनी को दे रही है। इतनी जमीन की कीमत लग्भग 250 करो्ड़ रुपए बैठती है और राज्स्थान स्रकार उ्स निजी कंपनी को स्िर्फ 50 लाख रुपए में देने जा रही है जो क्िसानों के स्ाथ घोर अन्या्य है।

स्भापति महोद्य, ज्िस जमीन को राज्स्थान स्रकार एक्वा्यर करके स्ीमेंट कंपनी को देने जा रही है वह जमीन क्िसानों की बहुत उपजाऊ तथा कुए वाली जमीन है, यानी स्िंचित जमीन है। उ्सी जमीन के निकट बारानी जमीन भी है ज्िसे एक्वा्यर करना चाहे, तो स्रकार कर के, क्िसी को भी दे स्कती है, लेकिन राज्स्थान स्रकार ने क्िसानों का वह प्रस्ता्व ठुकरा दि्या।

स्भापति महोद्य, वह पैक्ट्री 1995 स्े चल रही है। फैक्ट्री मालिक ने फैक्ट्री की बिल्ि्डंग बना दी है, कंपाउंड बना दि्या है यहां तक कि कर्मचारि्यों और अधिकारि्यों के क्वार्टर भी बना दिए हैं। इस्से ऐसा प्रतीत होता है कि फैक्ट्री को और अतिरिक्त जमीन की आव्श्यकता नहीं है। मैं आपके माध्यम स्े स्रकार के ध्यान में यह भी लाना चाहता हूं कि फैक्ट्री मालिक ने पहले राज्स्थान स्रकार द्वारा अधिगृहीत की गई भूमि में स्े ज्िसे उ्सने फैक्ट्री बनाने के लिए दि्या था, उ्समें एक बीघा भूमि डेढ़ लाख रुपए में क्िसी दूसरी फैक्ट्री वाले को बेच दी है। इस्से पता चलता है कि वह भूमि कितनी महत्वपूर्ण है तथा महंगी है और स्रकार उ्से क्िसानों स्े कौड़ि्यों के भा्व में लेना चाहती है। क्िसानों की स्िंचित भूमि को एक्वा्यर करने स्े हजारों क्िसान बेकार हो जाएंगे और भुखमरी के कगार पर पहुंच जाएंगे।

स्भापति महोद्य, मेरा आपके माध्यम स्े केन्द्र स्रकार स्े नि्वेदन है कि वह राज्स्थान स्रकार को क्िसानों की 242 बीघे 2 बि्स्वे उपजाऊ भूमि के अधिग्रहण न करने के स्ंबंध में निर्देश दे क्योंकि यह बहुत गं्भीर मामला है। केन्द्र स्रकार तुरन्त इस बारे में राज्य स्रकार को निर्देश दे।